खण्ड -14

संख्या-4/5/6

दशम्

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

भाग - 1

कार्यवाही प्रश्नोत्तर

सोमवार, दिनांक 4 जुलाई, 1994 ई०

मंगलवार, दिनांक 5 जुलाई, 1994 ई०

बुधवार, दिनांक 6 जुलाई, 1994 ई०

सत्यमेव जयते

अंतर क्षेत्र गिरोहों के संबंध में भी इसी प्रकार की कार्रवाई की अपेक्षा की गई है।

यह भी निर्देश है कि जिन अपराधी एवं गिरोहों को लक्ष्य बनाया जाय, उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम तैयार किया जाय। इस अभियान के लिए अपराधकर्मियों या उसके गिरोह के आर्थिक आधार को खत्म करने की योजना है।

(2) उपरोक्त कार्य-योजना के आधार पर प्रत्येक जिला/क्षेत्र और इकाइयों में अपने स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। और उसकी अपराध अनुसंधान विभाग द्वारा समीक्षा एवं समय-समय पर आकलन करने का दिशा निर्देश भी दिया जा रहा है।

दहेज हत्या को रोकना

18. **श्रीमती वीणा शाही:** क्या मंत्री, गृहविभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार में वर्ष 92 में दहेज हत्या के 170 मामले प्रतिवेदित हुए।

(2) क्या यह बात सही है कि वर्ष 93 में इसकी संख्या बढ़कर 336 हो गई।

(3) क्या यह बात सही है कि दहेज हत्याओं में उत्तरोत्तर वृद्धि से महिलाओं में भय और आतंक का माहौल व्याप्त है। यदि उपर्युक्त खंडों का उत्तर स्वीकारात्मक है। तो सरकार दहेज हत्या को रोकने के लिए कौन सी कार्रवाई कर रही है।

श्री लालू प्रसाद: (1) उत्तर स्वीकारात्मक है। वस्तुतः वर्ष 92 में दहेज हत्या के 234 मामले प्रतिवेदित हुए।

(2) उत्तर अस्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि वर्ष 93 में इसकी संख्या में काफी कमी हुई है। वर्ष 93 में दहेज हत्या

के कुल 143 मामले प्रतिवेदित हुए इस प्रकार वर्ष 93 में दहेज हत्या के मामले में कमी आई है।

(3) प्रश्न के खंड 2 के उत्तर से यह स्पष्ट है कि दहेज हत्याओं में उत्तरोत्तर बृद्धि नहीं बल्कि ह्रास हो रहा है। ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए सभी आरक्षी अधीक्षकों को समय-समय पर निर्देश जाता रहता है।

थाना भवनों का निर्माण

55. **श्री विजय शंकर दूबे:** क्या मंत्री, गृह(आरक्षी) विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सीवान जिला के हुसैनगंज, आसाव, मजहरूलहक नगर थानों को अपना भवन नहीं है।

(2) क्या यह बात सही है कि हुसैनगंज तथा मजहरूलहक नगर थाना गंडक नहर के कार्यालय भवन में चल रहा है।

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार कब तक खण्ड-1 के वर्णित थानों का भवन निर्माण कराना चाहती है।, नहीं तो क्यों?

श्री लालू प्रसाद: (1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(3) स्थल चयन की कार्रवाई चल रही है। अभी पूरी नहीं हुई है। स्थल चयन के पश्चात निधि उपलब्ध होने पर प्राथमिकता के आधार पर उक्त थानों के भवन का निर्माण करा दिया जायेगा।

आपराधिक कार्य को रोकना

56. **श्री खगेन्द्र प्रसाद:** क्या मंत्री गृह (आरक्षी) विभाग यह, बतलाने की